विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ , लक्खीसराय

वर्ग-अष्टम्

विषय-हिन्दी

।। अभ्यास-सामग्री।।

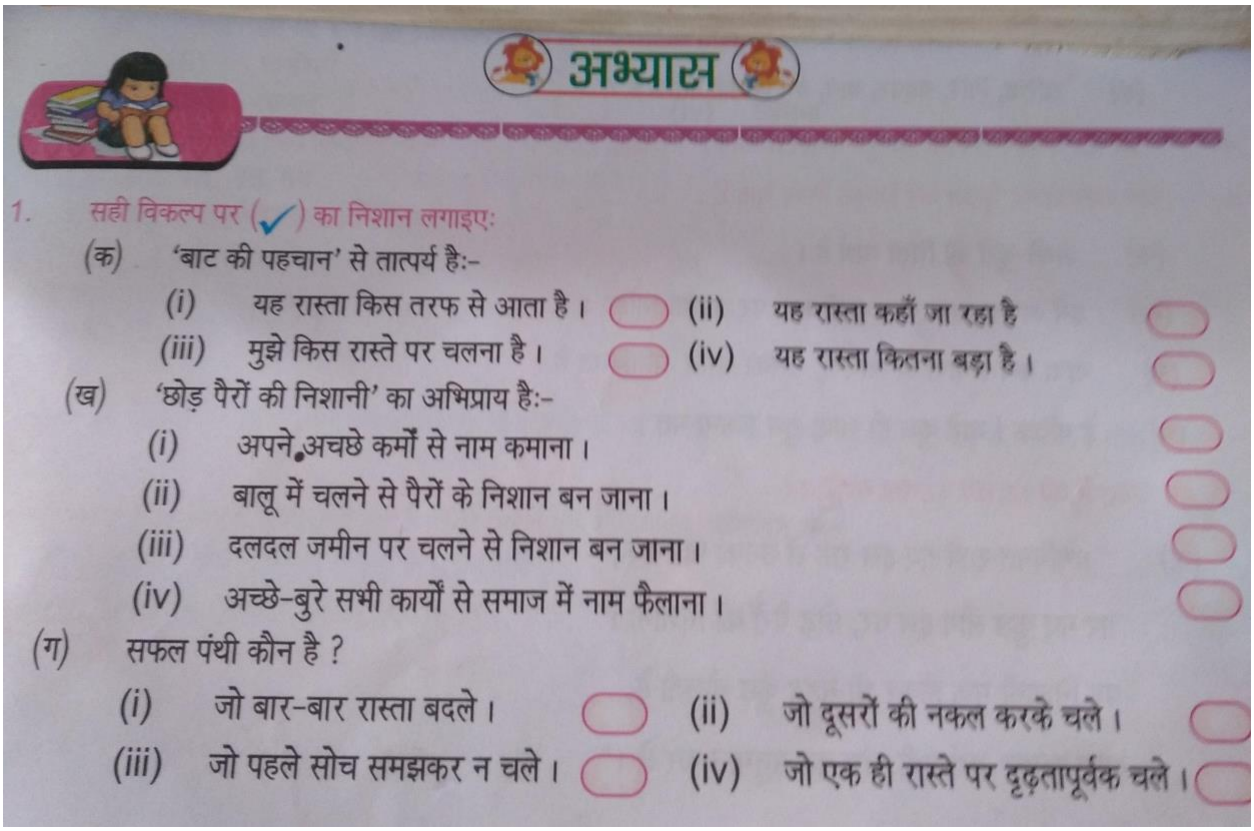

अभ्यास

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए:

(क) 'बाट की पहचान' से तात्पर्य है:-

(i) यह रास्ता किस तरफ से आता है। (ii) यह रास्ता कहाँ जा रहा है

(iii) मुझे किस रास्ते पर चलना है। (iv) यह रास्ता कितना बड़ा है।

(ख) 'छोड़ पैरों की निशानी' का अभिप्राय है:-

(i) अपने अचछे कर्मों से नाम कमाना।

(ii) बालू में चलने से पैरों के निशान बन जाना।

(iii) दलदल जमीन पर चलने से निशान बन जाना।

(iv) अच्छे-बुरे सभी कार्यों से समाज में नाम फैलाना।

(ग) सफल पंथी कौन है ?

(i) जो बार-बार रास्ता बदले। (ii) जो दूसरों की नकल करके चले।

(iii) जो पहले सोच समझकर न चले। (iv) जो एक ही रास्ते पर दृढ़तापूर्वक चले।

(घ) कवि ने 'स्वप्न' किसे कहा है ?

(i) कोमलताएँ (ii) भावनाएँ

(iii) इच्छाएँ (iv) वासनाएँ

2. लघु उत्तरीय प्रश्न :

(क) इस कविता में कवि किसे संबोधित कर रहा है ?

(ख) किस पथ की पहचान करने को कवि कह रहा है ?

(ग) कवि के अनुसार यात्रा कब सरल होती है ?

(घ) कवि के अनुसार कंटकों से क्या तात्पर्य है ?

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

(क) कवि के अनुसार वे कौन होंगे जो इस रास्ते पर अपने पैरों के निशान छोड़ जाते हैं ?

(ख) उन पद् चिह्नों से हमें क्या-क्या ज्ञात हो सकता है ?

(ग) हमें किन-किन बातों पर समय बरबाद नहीं करना चाहिए ?

(घ) 'तू इसे अच्छा समझ' के द्वारा कवि किस मानसिकता की ओर संकेत कर रहा है ?

(ङ) सरिता, गिरि, गह्वर, बाग, वन किसके प्रतीक हैं ?

4. 'पथ की पहचान' कविता का मुख्य भाव लिखिए।

5. उन पंक्तियों का चुनाव करें जिनके निम्न भाव हैं :

(क) अच्छे-बुरों की चिंता व्यर्थ है।

(ख) हमें अपना सारा ध्यान उसी मार्ग पर लगाना चाहिए।

(ग) यात्रा कब समाप्त हो जाएगी, उसका समय अनिश्चित है।

(घ) हे पथिक ! चाहे कुछ हो जाए, तुम रुकना मत।

इन पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) "अनगिनत राही गए इस राह से उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर, छोड़ पैरों की निशानी।
यह निशानी मूक होकर भी बहुत कुछ बोलती है,
खोल इसका अर्थ पंथी, पंथ का अनुमान कर ले।"

दी गयी अभ्यास सामग्री को हल करें और समस्या आने पर संबंधित समूह में सवाल करें ।